लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1891
11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग को सहायता

1891. श्री चंदन चौहान:
श्री नलिन सोरेन:
श्री सतपाल ब्रह्मचारी:
श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरियाणा विशेषकर सोनीपत लोक सभा क्षेत्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, सुविधाओं की स्थापना/सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार हरियाणा, झारखंड और उत्तर प्रदेश में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने का विचार रखती है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) हरियाणा के विशेषकर सोनीपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिलावार ब्यौरा क्या है, जिनके अंतर्गत प्रोत्साहन और नीति संबंधी सहायता प्रदान की जा रही है अथवा निवेश और व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्रचारित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ग): भारत सरकार ने देश को वस्त्र विनिर्माण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए, 2027-28 तक सात वर्षों की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्लग एंड प्ले सुविधा सहित विश्व स्तरीय अवसंरचना के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों पर 7 (सात) पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी है। सरकार ने पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 7 साइटों अर्थात तमिलनाडु (विरुद्धनगर), तेलंगाना (वारंगल), गुजरात (नवसारी), कर्नाटक (कलबुर्गी), मध्य प्रदेश (धार), उत्तर प्रदेश (लखनऊ/हरदोई) और महाराष्ट्र (अमरावती) को अंतिम रूप दिया है। ये पार्क वस्त्र उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने, बड़े निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएंगे।

(घ): भारत सरकार सोनीपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, झारखंड और उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत में वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं/पहल लागू कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क योजना, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने में मदद करेगा; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर और अपैरल तथा तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास, कौशल और निर्यात संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना; बेंचमार्क टेक्सटाइल मशीनरी में पात्र निवेश के लिए पूंजीगत निवेश सब्सिडी के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करने हेतु एटीयूएफएस; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों को एंड टू एंड सहायता देने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

***